પરિપત્ર:

ભક્તકવિ નરસિંહ મહેતા યુનિવર્સિટીની આર્ટસ વિદ્યાશાખાનાં અભ્યાસક્રમ ચલાવતી તમામ સંલગ્ન કોલેજોનાં આચાર્યશ્રીઓને સવિનય જણાવવાનું કે આર્ટસ વિદ્યાશાખા હેઠળનો હિન્દી વિષયનો એમ.એ. પ્રોગ્રામનો સેમેસ્ટર-૧ અને સેમેસ્ટર-૨ નો અભ્યાસક્રમ આ સાથે સામેલ છે.

માનનીય કુલપતિશ્રીની મંજુરી અનુસાર સદર અભ્યાસક્રમ શૈક્ષણિક વર્ષ જુન,૨૦૨૩થી અમલવારી કરવાની રહે છે. આર્ટસ વિદ્યાશાખાનાં સમાજશાસ્ત્ર વિષયનાં પી.જી.નો અભ્યાસક્રમ ચલાવતી તમામ સંલગ્ન કોલેજોનાં પી.જી.સેન્ટર ધ્વારા તેની અમલવારી કરવા જણાવવામાં આવે છે.

Bhakta Kavi Narsinh Mehta University Junagadh.

08/01/2024

ખાસ ફરજ પરના અધિકારી
(એકેડેમિક)

ક્રમાંક/બીકેએનએમયુ/એકેડેમિક/૧૮૩/૨૦૨૪
ભક્તકવિ નરસિંહ મહેતા યુનિવર્સિટી,
સરકારી પોલીટેકનિક કેમ્પસ,
ભક્તકવિ નરસિંહ મહેતા યુનિવર્સિટી રોડ,
ખડીયા, જૂનાગઢ-૩૬૨૨૬૩
તા.૦૮/૦૧/૨૦૨૪

પ્રતિ,

- ભક્તકવિ નરસિંહ મહેતા યુનિવર્સિટી સંલગ્ન આર્ટસ વિદ્યાશાખાનાં પી.જી.(હિન્દી)નાં અભ્યાસક્રમો ચલાવતી તમામ કોલેજોના આચાર્યશ્રીઓ તરફ....

નકલ સાદર રવાનાઃ-

- માન.કુલપતિશ્રી/કુલસચિવશ્રીનાં અંગત સચિવશ્રી.
- પરીક્ષા નિયામકશ્રી, ભક્તકવિ નરસિંહ મહેતા યુનિવર્સિટી, જુનાગઢ

નકલ રવાના જાણ તથા યોગ્ય કાર્યવાહી અર્થેઃ

- સીસ્ટમ મેનેજરશ્રી, આઇ.ટી.સેલ વિભાગ (વેબસાઇટ ઉપર પ્રસિદ્ધ થવા અર્થે.)

Bhakta Kavi Narsinh Mehta University
Junagadh

BOARD OF **HINDI** STUDIES
FACULTY OF ARTS
SYLLABUS FOR
MASTER OF ARTS PROGRAMME
(SEMESTER- I, II)
EFFECTIVE FROM JUNE, 2023

हिन्दी पाठ्यक्रम उद्देश्य.....(Objectives)

❖ हिन्दी शिक्षण के सामान्य उद्देश्य

१. छात्रों को शुद्ध बोलने तथा शुद्ध लिखने का ज्ञान देना।
२. सरल एवं प्रभाव पूर्ण तथा स्पष्ट भाषा में अपने भाव और अनुभूतियों एवं विचारों को व्यक्त करना।
३. दूसरों की लिखी हुई भाषा एवं बोली हुई भाषा को समझने की योग्यता उत्पन्न करना।
४. भाषा को हावभाव के साथ एवं आरोह-अवरोह के साथ वचन करने की कला का ज्ञान होना।
५. छात्रों के ज्ञान, विवेक एवं चरित्र का विकास करना।
६. पठन-पाठन के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
७. छात्रों को सत-साहित्य की रचना के योग्य बनाना तथा मानव जीवन की विभिन्न परिस्थितियों का अध्ययन करा कर उन्हें भावी जीवन के लिए तैयार करना।
८. छात्रों को लोकोक्तियाँ एवं मुहावरों का ज्ञान दिलाना।
९. छात्रों में क्रमबद्ध विचार करने, भाव को अभिव्यक्त करने, तथा ज्ञानार्जन के प्रति गहरी रूचि उत्पन्न करने का प्रयास करना।
१०. पुस्तक को निहित ज्ञान भंडार का अवलोकन कर स्वाध्याय के प्रति गहरी रुचि उत्पन्न करना।
११. साहित्य का लक्ष्य उत्तम नागरिक उत्पन्न करना भी हैं इसीलिए हिन्दी शिक्षण का उद्देश्य नागरिकता के उत्तम से उत्तम गुणों का विकास भी हैं।

❖ उच्च शिक्षा स्तर पर हिन्दी शिक्षण के उद्देश्य

१. छात्रों को शुद्ध शब्द उच्चारण ध्वनि निर्गम धैर्य तथा आत्मविश्वास एवं प्रवाह उत्साह के साथ बोलने के कौशल का विकास करना।
२. हिन्दी भाषा और साहित्य की शिक्षा के माध्यम से छात्रों में राष्ट्रीयता की भावना को उजागर करना।
३. छात्रों में सुंदर लेख, शुद्ध वर्तनी एवं व्याकरण संबंध वाक्य रचना के कौशल का विकास करना।
४. छात्रों में शुद्ध एवं शिष्ट भाषा सीखने तथा इन की सामान्य जानकारी प्राप्त करने की प्रवृत्ति का विकास करना।
५. छात्रों को हिंदी की पाठ्य पुस्तकों के माध्यम से मानव उपयोगी ज्ञान कराना।
६. छात्रों में भाषा एवं उसके साहित्य के प्रति आदर पूर्ण भाव का निर्माण करना।
७. छात्रों में व्याकरण संबंधी सूत्रों के उच्चारण एवं सृजनात्मक क्षमता की वृद्धि करना।
८. छात्रों में चिंतन की प्रवृत्ति का विकास करना।
९. छात्रों को भाषा के व्यवहारिक विश्लेषण में निपुण बनाना।
१०. छात्रों को व्यवहारिकता का ज्ञान कराना तथा अन्य विषयों का साहित्यिक अध्ययन कराना।
११. छात्रों को निबंध, संवाद, सारांश, पत्र इत्यादि लिखने की कला कुशलता उत्पन्न करने का प्रयास करना।

हिन्दी पाठ्यक्रम परिणाम..... (Outcomes)

- हिन्दी में शिक्षा को हासिल करना सरल है।
- हिन्दी भाषा पारंपरिक ज्ञान, प्राचीनतम सभ्यता ज्ञान और आधुनिक विकास के लिए एक अत्यंत आवश्यक भाषा हैं।
- हिन्दी संस्कृत का एक सरल रूप है, जिसके द्वारा हम ऐतिहासिक रहस्यों को पढ़ सकते है और एक अनोखी खोज की जा सकती हैं।
- वर्तमान में हिन्दी भाषा विश्व की प्रभावी भाषा बन चुकी है, विदेशी लोग भी इसे पढ़ रहे हैं, ताकि वे आधुनिक प्रगति कर सके, इसलिए हमें भी हिन्दी भाषा में निपुण बनना होगा।
- हिन्दी भाषा का इतिहास में भी बहुत महत्वपूर्ण योगदान है, जिसे जानना हमारे लिये बहुत महत्वपूर्ण है।
- हिन्दी भाषा में शिक्षित होना बहुत आवश्यक है और इसके लिए हिन्दी को शिक्षा में लाना बहुत आवश्यक हैं।
- अब हिन्दी केवल राजभाषा तक ही सीमित नहीं है, बल्कि वैश्विक बाजार में भी अपनी जगह बना रही है। चाहे वह अध्यापन का कार्य हो या कॉल सेंटर्स, टूरिज्म और इंटरप्रेटर का, सभी में अवसर हैं।
- हिन्दी भाषा पर अच्छी पकड़ होने के कारण छात्रों को पत्रकारिता के क्षेत्र में प्रवेश करने में आसानी होती है।
- हिन्दी के छात्रों के लिए विभिन्न बैंक राजभाषा अधिकारी की नियुक्ति करते हैं। हिन्दी भाषा अधिनियम का प्रावधान है कि सभी संस्थानों में हिन्दी अधिकारी को रखना पड़ेगा। भारत सरकार व निजी संस्थान में हिन्दी अधिकारी के रूप में काम करने का अवसर सामने आता है। देश-विदेश में सरकारी संस्थानों में हिन्दी सलाहकार के रूप में भी काम करने का अवसर भी मिल सकता है।
- यदि आप किसी दूसरी भाषा पर पकड़ रखते हैं, तो अनुवादक भी बन सकते हैं। विभिन्न ट्रेवल एजेंसियाँ और सरकारी व निजी संस्थान ऐसे लोगों को मौका देते हैं। हिन्दी का ज्ञान होने के साथ-साथ आपको अंग्रेजी का भी ज्ञान होना चाहिए। कर्मचारी चयन आयोग हर साल हिन्दी अनुवादकों की भर्ती करता है।
- हिन्दी से स्नातक करने के बाद विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होकर बैंक, न्यायिक सेवा, सिविल सर्विस और स्टेट सर्विस के अलावा रेलवे व बैंक आदि में भी नौकरी के बेहतर अवसर हो सकते हैं।
- हिन्दी भाषा और साहित्य के छात्र लिंग्विस्टिक का भी कोर्स कर सकते हैं और अच्छी नौकरी पा सकते हैं। इसके साथ ही अगर हिन्दी में अच्छी पकड़ है, तो क्रिकेट कमेंटरी से लेकर फैशन जगत व एड एजेंसी और एनजीओ में भी करियर बनाया जा सकता है।

(प्रथम सत्र)

क्रम	कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	कुल अंक	पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम							
	अनुस्नातक		मुख्य							वर्ष	विध्या शाखा	विषय	पाठ्य क्रम ई का ई	कक्षा	सत्र	पाठ्य क्रम (पेपर) क्रमांक	विकल्प
१	अनुस्नातक	प्रथम	मुख्य	प्राचीन हिन्दी काव्य	०१	०३	३०	७०	१००	२०२३	-	हिन्दी	-	-	०१	०१	-
२	अनुस्नातक	प्रथम	मुख्य	हिन्दी साहित्य का इतिहास : आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल	०२	०३	३०	७०	१००	२०२३	-	हिन्दी	-	-	०१	०२	-
३	अनुस्नातक	प्रथम	मुख्य	भाषाविज्ञान (सैद्धांतिक)	०३	०३	३०	७०	१००	२०२३	-	हिन्दी	-	-	०१	०३	-
४	अनुस्नातक	प्रथम	मुख्य	हिन्दी महिला लेखन	०४	०३	३०	७०	१००	२०२३	-	हिन्दी	-	-	०१	०४	-
				वैकल्पिक													
५	अनुस्नातक	प्रथम	मुख्य	तुलनात्मक साहित्य (सैद्धांतिक-१)	०४	०३	३०	७०	१००	२०२३	-	हिन्दी	-	-	०१	०४	-
६	अनुस्नातक	प्रथम	मुख्य	हिन्दी उपन्यास – १	०५	०३	३०	७०	१००	२०२३	-	हिन्दी	-	-	०१	०५	-
				वैकल्पिक													
७	अनुस्नातक	प्रथम	मुख्य	दृश्य – श्रव्य माध्यम लेखन – १	०५	०३	३०	७०	१००	२०२३	-	हिन्दी	-	-	०१	०५	-

भक्त कवि नरसिंह मेहता विश्व-विद्यालय, जूनागढ़
कला-संकाय – अनुस्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम – वर्ष २०२३

विषय	हिन्दी
सत्र	१
पाठ्यक्रम क्रमांक	०१
पाठ्यक्रम शीर्षक	प्राचीन हिन्दी काव्य
परीक्षा समयावधि	०२:३० घण्टे

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम	क्रेडिट मूल्य	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०१	मुख्य	०३	३०	७०	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य

- अध्येता चंद बरदाई का परिचय प्राप्त करेंगे।
- अध्येता जगनिक का परिचय प्राप्त करेंगे।
- अध्येता 'पृथ्वीराज रासो' काव्य व्यक्त पृथ्वीराज के आदर्शवादी चरित्र से परिचित होकर भारतीयता की भावना से ओतप्रोत होंगे।
- अध्येता 'परमाल रासो' काव्य व्यक्त शाश्वत मानव-मूल्यों से परिचित होंगे।

पाठ्यक्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य विषय	अंक	क्रेडिट
अनुस्नातक	ईकाई-१	चंद बरदाई का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। ०५ × १४ = ७०	०२
		'पृथ्वीराज रासो' में 'कयमास-वध' प्रसंग का कथासार		
		'कयमास-वध' : पात्र नियोजन		
	ईकाई-२	'कयमास-वध' : काव्य स्वरूप		
		'कयमास-वध' : ऐतिहासिकता		
		'कयमास-वध' : युद्ध वर्णन		
	ईकाई-३	जगनिक का व्यक्तित्व एवं कृतित्व		
		'परमाल रासो' में 'आल्हा-खण्ड' प्रसंग का कथासार		
		'आल्हा-खण्ड' : भावपक्ष – कलापक्ष		
	ईकाई-४	'आल्हा-खण्ड' : काव्य स्वरूप		
		'आल्हा-खण्ड' में शौर्य और वीरता का वर्णन		
		'आल्हा-खण्ड' में व्यक्त सांस्कृतिकता		
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	०२

आंतरिक मूल्यांकन

पाठ्यक्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य विषय	अंक	क्रेडिट
अनुस्नातक	असाईन्मेंट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्तलिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस अंक निर्धारित है।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

क्रम	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
१	आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
२	संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी)		०२	०७	१४

नोट ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २:३० घण्टे का रहेगा। ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा।	पाठ्य पुस्तक : (१) 'पृथ्वीराज रासो' (२) 'परमाल रासो' लेखक : (१) चंद बरदाई (२) जगनिक प्राप्ति स्थान : नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।

संदर्भ ग्रंथ :

१. प्रमुख खंड काव्यों में आधुनिकता बोध : डॉ. आलोक मिश्र – विकास प्रकाशन, कानपुर
२. कविता की जमीन और जमीन की कविता : डॉ. नामवरसिंह – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
३. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सं. डॉ. नगेन्द्र – नेशनल पब्लिशींग हाउस, नई दिल्ली
४. हिन्दी और गुजराती कविता में राष्ट्रीय अस्मिता : एक तुलनात्मक अध्ययन : डॉ. एस. पी. शर्मा – शान्ति प्रकाशन, रोहतक
५. लंबी कविताओं का रचना विधान : सं. नरेन्द्रमोहन – दि. मैकमिलकन कंपनी ऑफ इन्डिया लिमिटेड, दिल्ली
६. पृथ्वीराज रासो : भाषा और साहित्य, डॉ. नामवरसिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
७. हिन्दी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि, डॉ. बन्ने पंडित, विद्या प्रकाशन, कानपुर।
८. आदिकालीन धार्मिक रासो काव्य : परम्परा और प्रवृत्तियाँ, डॉ. कृष्णा जैन, विद्या प्रकाशन, कानपुर।
९. पृथ्वीराज रासो एवं आल्हाखण्ड साहित्यिक विवेचन, प्रो. महेंद्र सीगु, विद्या प्रकाशन, कानपुर।
१०. हिन्दी युग एवं प्रवृत्तियाँ, शिवकुमार वर्मा।

भक्त कवि नरसिंह मेहता विश्व-विद्यालय, जूनागढ़
कला-संकाय – अनुस्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम – वर्ष २०२३

विषय	हिन्दी
सत्र	१
पाठ्यक्रम क्रमांक	०२
पाठ्यक्रम शीर्षक	हिन्दी साहित्य का इतिहास : आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल
परीक्षा समयावधि	०२:३० घण्टे

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम	क्रेडिट मूल्य	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०१	मुख्य	०३	३०	७०	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य

- अध्येता हिन्दी साहित्य के इतिहास के अध्ययन से भारतीय जीवन मूल्यों का परिचय प्राप्त करे।
- अध्येता हिन्दी साहित्य के इतिहास के अध्ययन से साहित्यिक संवेदना को समझे।
- अध्येता हिन्दी साहित्य के इतिहास के अध्ययन से भारतीय भाषा, साहित्य और सस्कृति की अस्मिता को जाने।
- अध्येता हिन्दी साहित्य के इतिहास के अध्ययन से साहित्यिक स्वरूपों की बदलती प्रक्रिया और विभिन्न कालखण्डों की प्रवृत्तियों को विस्तार से जाने।

पाठ्यक्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य विषय	अंक	क्रेडिट
अनुस्नातक	ईकाई-१	हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन, सीमा निर्धारण एवं नामकरण	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। ०५ * १४ = ७०	०२
		हिन्दी साहित्य का इतिहास : लेखन परम्परा		
		साहित्येतिहास पुनर्लेखन की समस्याएँ		
	ईकाई-२	आदिकालीन परिस्थितियाँ		
		आदिकालीन साहित्य की विशेषताएँ – प्रवृत्तियाँ		
		आदिकालीन रासो साहित्य		
		आदिकालीन अन्य साहित्य		
	ईकाई-३	भक्तिकालीन युगीन परिस्थितियाँ		
		भक्तिकालीन साहित्य की विशेषताएँ – प्रवृत्तियाँ		
		भक्तिकालीन प्रमुख काव्यधाराएँ		
		भक्तिकाल - सुवर्णकाल		
	ईकाई-४	रीतिकालीन परिस्थितियाँ		
		रीतिकालीन साहित्य की विशेषताएँ – प्रवृत्तियाँ		
		रीतिसिद्ध – रीतिबद्ध – रीतिमुक्त काव्यधारा		
		रीतिकालीन प्रमुख कवि		
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	०२

आंतरिक मूल्यांकन

पाठ्यक्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य विषय	अंक	क्रेडिट
अनुस्नातक	असाईन्मेंट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्तलिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस अंक निर्धारित है।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

क्रम	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
१	आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
२	संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी)		०२	०७	१४

नोट ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २:३० घण्टे का रहेगा। ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा।	पाठ्य पुस्तक : हिन्दी साहित्य का इतिहास लेखक : डॉ. नगेन्द्र प्राप्ति स्थान : मयूर पैपर बक्स, नई दिल्ली।

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी साहित्य का प्रवृतिपरक इतिहास : डॉ. सभापति मिश्र – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
२. हिन्दी साहित्य की प्रमुख कृति और कृतिकार : डॉ. नरेन्द्र भानवत – अनुपम प्रकाशन, जयपुर
३. हिन्दी साहित्य का सर्वेक्षण (गद्य-खण्ड) : विश्वम्भर 'मानव' – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
४. हिन्दी का गद्य पर्व : नामवरसिंह – राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
५. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल – नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
६. लंबी कविताओं का रचना विधान : सं. नरेन्द्रमोहन – दि. मैकमिलकन कंपनी ऑफ इन्डिया लिमिटेड, दिल्ली
७. हिन्दी के निर्माण : कुमुद शर्मा – भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली
८. कविता की जमीन और जमीन की कविता : डॉ. नामवरसिंह – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
९. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल अब तक : डॉ. स्मिता सी. पटेल – शान्ति प्रकाशन
१०. हिन्दी भाषा का इतिहास : प्रो. ओमप्रकाश तरूण : रीगल बुक डिपो, दिल्ली
११. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. ईश्वरदत्त शील : डॉ. आभारानी – चन्द्रलोक प्रकाशन, कानपुर

भक्त कवि नरसिंह मेहता विश्व-विद्यालय, जूनागढ़
कला-संकाय – अनुस्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम – वर्ष २०२३

विषय	हिन्दी
सत्र	१
पाठ्यक्रम क्रमांक	०३
पाठ्यक्रम शीर्षक	भाषाविज्ञान (सैद्धांतिक)
परीक्षा समयावधि	०२:३० घण्टे

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम	क्रेडिट मूल्य	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०१	मुख्य	०३	३०	७०	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य

- अध्येता भाषाविज्ञान के सैद्धांतिक रूप से परिचित हो।
- अध्येता भाषा और भाषाविज्ञान के अंत:सम्बन्ध को जाने
- अध्येता भाषा उच्चारण, प्रयोग एवं उपयोग की शिक्षा जाने।
- अध्येता भाषाविज्ञान के अध्ययन से विश्व के विभिन्न भाषाओं की समानता स्थापित करके विश्व-एकता और विश्व-बंधुत्व का भाव समझे।

पाठ्यक्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य विषय	अंक	क्रेडिट
अनुस्नातक	ईकाई-१	भाषा का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। ०५ * १४ = ७०	०२
		भाषा की विशेषताएँ		
		भाषा के विभिन्न रूप		
		संसार के भाषा परिवार		
	ईकाई-२	भाषाविज्ञान का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप		
		भाषाविज्ञान की शाखाएँ – अध्ययन की पद्धत्तियाँ		
		भाषाविज्ञान के अध्ययन की उपयोगिता		
		भाषाविज्ञान का ज्ञान की अन्य शाखाओं से सम्बन्ध		
	ईकाई-३	स्वन विज्ञान : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, प्रकार		
		रूप विज्ञान : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, प्रकार		
	ईकाई-४	वाक्य विज्ञान : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, प्रकार		
		अर्थ विज्ञान : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, प्रकार		
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	०२

आंतरिक मूल्यांकन

पाठ्यक्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य विषय	अंक	क्रेडिट
अनुस्नातक	असाईन्मेंट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्तलिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस अंक निर्धारित है।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

क्रम	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
१	आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
२	संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी)		०२	०७	१४

नोट ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २:३० घण्टे का रहेगा। ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा।	पाठ्य पुस्तक : भाषाविज्ञान लेखक : भोलानाथ तिवारी प्राप्ति स्थान : किताब महल, इलाहाबाद।

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी भाषाविज्ञान, डो. डी. डी. शर्मा, पल्लव प्रकाशन, दिल्ली।
२. भाषाविज्ञान सैद्धांतिक चिंतन, डॉ. श्रीवास्तव
३. भाषाविज्ञान की भूमिका, डॉ. देवेंद्रनाथ शर्मा
४. आधुनिक भाषाविज्ञान, डॉ. राजमणी शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
५. भाषाविज्ञान और हिन्दी, डॉ. के. डी. रुवाली, तक्षशीला प्रकाशन, दिल्ली।
६. अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान : सिद्धांत और प्रयोग, डॉ. रवींद्रनाथ श्रीवास्तव।
७. भाषाविज्ञान एवं भाषा विचार, डॉ. पोतहार, डो. खराटे, विद्या प्रकाशन, कानपुर।
८. हिन्दी भाषाविज्ञान परिचय, डॉ. ज्ञानराज गायकवाड, विद्या प्रकाशन, कानपुर।
९. रूप विज्ञान, लक्ष्मणप्रसाद सिन्हा, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
१०. हिन्दी भाषा और उसके विविध रूप, डॉ. हीरालाल शर्मा, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

भक्त कवि नरसिंह मेहता विश्व-विद्यालय, जूनागढ़
कला-संकाय – अनुस्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम – वर्ष २०२३

विषय	हिन्दी
सत्र	१
पाठ्यक्रम क्रमांक	०४
पाठ्यक्रम शीर्षक	हिन्दी महिला लेखन
परीक्षा समयावधि	०२:३० घण्टे

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम	क्रेडिट मूल्य	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०१	मुख्य	०३	३०	७०	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य

- अध्येता हिन्दी महिला लेखन के उद्भव-विकास से परिचित होंगे।
- अध्येता पुरुष प्रधान समाज में महिलाओं की स्थिति को जाने
- अध्येता नारीवाद और नारी चेतना के बीच अंतर को जाने।
- अध्येता नारी द्वारा नारी अस्मिता के सर्जन को विस्तार से जाने।

पाठ्यक्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य विषय	अंक	क्रेडिट
अनुस्नातक	ईकाई-१	नारीवाद : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। ०५ ✖ १४ = ७०	०२
		नारी चेतना : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप		
		नारीवाद और नारी चेतना : अंतर		
		हिन्दी नारीवादी लेखन : उद्भव – विकास		
	ईकाई-२	मंजुल भगत : व्यक्तित्व और कृतित्व		
		'अनारो' उपन्यास : कथावस्तु		
		'अनारो' उपन्यास : तत्विक विवेचन		
	ईकाई-३	'अनारो' उपन्यास : पात्र योजना		
		'अनारो' उपन्यास : नारी चेतना		
		कृष्णा सोबती : व्यक्तित्व और कृतित्व		
		'मित्रो मरजानी' उपन्यास : कथावस्तु		
	ईकाई-४	'मित्रो मरजानी' उपन्यास : तत्विक विवेचन		
		'मित्रो मरजानी' उपन्यास : पात्र योजना		
		'मित्रो मरजानी' उपन्यास : नारी चेतना		
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	०२

आंतरिक मूल्यांकन

पाठ्यक्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य विषय	अंक	क्रेडिट
अनुस्नातक	असाईन्मेंट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्तलिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस अंक निर्धारित है।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

क्रम	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
१	आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
२	संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी)		०२	०७	१४

नोट ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २:३० घण्टे का रहेगा। ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा।	पाठ्य पुस्तक : (१) 'अनारो' (२) 'मित्रो मरजानी' लेखक : (१) मंजुल भगत (२) कृष्णा सोबती प्राप्ति स्थान : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

संदर्भ ग्रंथ :

१. आधुनिक महिला लेखन : स्वतंत्र चिंतन दिशाएँ, ओमप्रकाश शर्मा, पूजा प्रकशन, दिल्ली।
२. नारी अस्मिता हिन्दी उपन्यासों, डॉ. सुरेश बत्रा, रचना प्रकाशन, कानपुर।
३. नारी के बदलते आयाम, डॉ. राजकुमार, अर्जन पब्लिशिंग, दिल्ली।
४. भारतीय नारी : अस्मिता और अधिकार, आशारानी बहोरा, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली।
५. महिला उपन्यासकारों में नारी का बदलता स्वरूप, डॉ. रंजना चावडा, राज प्रकाशन, कानपुर।
६. हिन्दी महिला उपन्यासकारों की मानवीय संवेदना, डॉ. उषा यादव, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
७. हिन्दी उपन्यासों में कामकाजी महिला, डॉ. रोहिणी अग्रवाल, दिवमान प्रकाशन, दिल्ली।
८. स्त्री विमर्श के विविध संदर्भ, डॉ. सियाराम, ओमेगा प्रकाशन, दिल्ली।
९. स्त्री परम्परा और आधुनिकता, राज किशोर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
१०. नारी प्रश्न, सरला माहेश्वरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

भक्त कवि नरसिंह मेहता विश्व-विद्यालय, जूनागढ़
कला-संकाय – अनुस्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम – वर्ष २०२३

विषय	हिन्दी
सत्र	१
पाठ्यक्रम क्रमांक	०४ (विकल्प)
पाठ्यक्रम शीर्षक	तुलनात्मक साहित्य (सैद्धांतिक – १)
परीक्षा समयावधि	०२:३० घण्टे

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम	क्रेडिट मूल्य	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०१	मुख्य	०३	३०	७०	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य

- अध्येता तुलनात्मक साहित्य के स्वरूप से परिचित हो।
- अध्येता तुलनात्मक साहित्य के अध्ययन की प्रविधि से परिचित हो।
- अध्येता तुलनात्मक साहित्य और भारतीय साहित्य की अवधारणा को जाने।
- अध्येता भारतीय साहित्य का अध्ययन कर भारतीयता का स्वरूप समझे।

पाठ्यक्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य विषय	अंक	क्रेडिट
अनुस्नातक	ईकाई-१	तुलनात्मक साहित्य : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। ०५ * १४ = ७०	०२
		तुलनात्मक साहित्य की प्रविधि		
		तुलनात्मक साहित्य के ऐतिहासिक और तात्विक अनिवार्यता		
	ईकाई-२	तुलनात्मक साहित्य के उत्कर्ष में हिन्दी का योगदान		
		तुलनात्मक साहित्य और सामान्य साहित्य का अंत:सम्बंध		
		तुलनात्मक साहित्य और संस्कृति		
	ईकाई-३	तुलनात्मक आलोचना का स्वरूप		
		तुलनात्मक आलोचना की कार्य-पद्धत्ति		
		तुलनात्मक साहित्य का भविष्य		
	ईकाई-४	तुलनात्मक साहित्य का उद्देश्य		
		तुलनात्मक साहित्य में भारतीय साहित्य का योगदान		
		तुलनात्मक साहित्य और राष्ट्रीय एकता		
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	०२

आंतरिक मूल्यांकन

पाठ्यक्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य विषय	अंक	क्रेडिट
अनुस्नातक	असाईन्मेंट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्तलिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस अंक निर्धारित है।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

क्रम	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
१	आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
२	संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी)		०२	०७	१४

नोट ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २:३० घण्टे का रहेगा। ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा।	

संदर्भ ग्रंथ :

१. तुलनात्मक साहित्य : सिद्धांत और समीक्षा, डॉ. महावीर चौहाण, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद।
२. तुलनात्मक साहित्य की भूमिका, इंद्रनाथ चौधरी, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली।
३. तुलनात्मक साहित्य, धीरू परीख, गुजरात विश्व-विद्यालय, अहमदाबाद।
४. तुलनात्मक अध्ययन : स्वरूप और समस्याएँ, डॉ. भ. ह. राजुरकर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
५. तुलनात्मक साहित्य : भारतीय संदर्भ, चैतन्य देसाई।

भक्त कवि नरसिंह मेहता विश्व-विद्यालय, जूनागढ़
कला-संकाय – अनुस्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम – वर्ष २०२३

विषय	हिन्दी
सत्र	१
पाठ्यक्रम क्रमांक	०५
पाठ्यक्रम शीर्षक	हिन्दी उपन्यास – १
परीक्षा समयावधि	०२:३० घण्टे

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम	क्रेडिट मूल्य	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०१	मुख्य	०३	३०	७०	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य

- अध्येता प्रेमचंद के व्यक्तित्व और कृतित्व को समझे।
- अध्येता जगदीशचंद्र के व्यक्तित्व और कृतित्व को समझे।
- अध्येता भारतीय कृषक जीवन की समस्याओं से परिचित होकर आदर्शवाद की संकल्पना को समझे।
- अध्येता भारतीय संस्कृति से परिचित होकर यथार्थवाद की संकल्पना को समझे।

पाठ्यक्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य विषय	अंक	क्रेडिट
अनुस्नातक	ईकाई-१	प्रेमचंद : व्यक्तित्व और कृतित्व	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। ०५ * १४ = ७०	०२
		'गोदान' उपन्यास : कथानक		
		'गोदान' उपन्यास : तात्विक विवेचन		
	ईकाई-२	'गोदान' उपन्यास : पात्र योजना		
		'गोदान' उपन्यास : कृषक जीवन की समस्याएँ और आदर्शवाद		
		'गोदान' उपन्यास : शीर्षक, उद्देश्य, भाषा-शैली, परिवेश		
	ईकाई-३	जगदीशचंद्र : व्यक्तित्व और कृतित्व		
		'धरती धन न अपना' : कथानक		
		'धरती धन न अपना' : तात्विक विवेचन		
	ईकाई-४	'धरती धन न अपना' : पात्र योजना		
		'धरती धन न अपना' : सांस्कृतिकता और यथार्थवाद		
		'धरती धन न अपना' : शीर्षक, उद्देश्य, भाषा-शैली, परिवेश		
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	०२

आंतरिक मूल्यांकन

पाठ्यक्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य विषय	अंक	क्रेडिट
अनुस्नातक	असाईन्मेंट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्तलिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस अंक निर्धारित है।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

क्रम	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
१	आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
२	संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी)		०२	०७	१४

नोट ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २:३० घण्टे का रहेगा। ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा।	पाठ्य पुस्तक : (१) 'गोदान' (२) 'धरती धन न अपना' लेखक : (१) प्रेमचंद (२) जगदीशचंद्र प्राप्ति स्थान : वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी उपन्यास : पहचान और परख, इंद्रदान मदान।
२. हिन्दी उपन्यास विवेचन, डॉ. सत्येंद्र, भारतीय ग्रंथ निकेतन, दिल्ली।
३. हिन्दी उपन्यास के सौ वर्ष, डॉ. रामदरश मिश्र, गिरनार प्रकाशन, महेसाणा।
४. प्रतिनिधि हिन्दी उपन्यास भाग-१, २, डॉ. चमनलाल, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंदीगढ।
५. हिन्दी उपन्यास, डॉ. सुष्मा धवन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
६. गोदान का मानववाद, डॉ. हरिश्चंद्र मिश्र, भाषा साहित्य संस्थान, इलाहाबाद।
७. प्रेमचंद का कथा साहित्य : दलित चिंतन के परिप्रेक्ष्य में, डॉ. अर्चना घोटे, अमन प्रकाशन, कानपुर।
८. प्रेमचंद के उपन्यासों में हिंदू-मुस्लिम एकता, डॉ. अशोक माधव, अमन प्रकाशन, कानपुर।
९. साहित्य के सामाजिक भूमिका, डॉ. देवेश ठाकुर, अरविंद प्रकाशन, मुम्बई।
१०. हिन्दी उपन्यासों में चेतना प्रवाह पद्धत्ति, डॉ. मोहनलाल कपुर, साकेत समीर प्रकाशन, दिल्ली।
११. हिन्दी साहित्य में दलित चेतना, डॉ. आनंद वास्कर, विद्या प्रिंटर, कानपुर।

भक्त कवि नरसिंह मेहता विश्व-विद्यालय, जूनागढ़
कला-संकाय – अनुस्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम – वर्ष २०२३

विषय	हिन्दी
सत्र	१
पाठ्यक्रम क्रमांक	०५ (विकल्प)
पाठ्यक्रम शीर्षक	दृश्य – श्रव्य माध्यम लेखन – १
परीक्षा समयावधि	०२:३० घण्टे

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम	क्रेडिट मूल्य	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०१	मुख्य	०३	३०	७०	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य

- अध्येता दृष्य-श्रव्य माध्यमों का परिचय प्राप्त करे।
- अध्येता दृष्य-श्रव्य माध्यमों का उपयोग जाने।
- अध्येता प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अध्ययन से रोजगार प्राप्त करे।
- अध्येता हिन्दी प्रचार-प्रसार में दृष्य-श्रव्य माध्यमों की भूमिका समझे।

पाठ्यक्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य विषय	अंक	क्रेडिट
अनुस्नातक	ईकाई-१	माध्यमोपयोगी लेखन स्वरूप और प्रकार	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। ०५ * १४ = ७०	०२
		पत्रकारिता : भारत में उद्भव-विकास		
		टेलिविझन पत्रकारिता		
		रेडियो पत्रकारिता		
	ईकाई-२	विडियो पत्रकारिता		
		इंटरनेट पत्रकारिता		
		मल्टी मिडिया और हिन्दी		
	ईकाई-३	रेडियो नाटक की प्रविधि		
		रेडियो : भारत में उद्भव-विकास		
		रेडियो धारावाहिक में प्रयुक्त हिन्दी		
	ईकाई-४	रेडियो आलेख स्वरूप (डोक्युमेंटरी फीचर)		
		रेडियो के हिन्दी भाषा		
		रेडियो और विज्ञापन		
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	०२

आंतरिक मूल्यांकन

पाठ्यक्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य विषय	अंक	क्रेडिट
अनुस्नातक	असाईन्मेंट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्तलिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस अंक निर्धारित है।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

क्रम	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
१	आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
२	संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी)		०२	०७	१४

नोट ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २:३० घण्टे का रहेगा। ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा।	

संदर्भ ग्रंथ :

१. रंग परम्परा, नैमिचंद्र जैन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
२. दृश्य-अदृश्य, नैमिचंद्र जैन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
३. संगकर्म और मीडिया, डॉ. जयदेव तनेजा, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।
४. पटकथा लेखन : फिचर फिल्म, उमेश राठौर, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।
५. हिन्दी रंगमंच : दशा-दिशा, डॉ. जयदेव तनेजा, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।
६. रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता, डॉ. हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।
७. रेडियो नाटक की कला, डॉ. सिद्धनाथ कुमार, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।
८. टेलिविजन लेखन, असगर वजाहत, प्रभात रंजन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।
९. आधुनिक जनसंचार और हिन्दी, डॉ. हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।

(द्वितीय सत्र)

क्रम	कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	कुल अंक	पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम							
	अनुस्नातक		मुख्य							वर्ष	विध्या शाखा	विषय	पाठ्यक्रम ईकाई	कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	विकल्प
१	अनुस्नातक	द्वितीय	मुख्य	मध्यकालीन हिन्दी काव्य	०६	०३	३०	७०	१००	२०२३	-	हिन्दी	-	-	०२	०६	-
२	अनुस्नातक	द्वितीय	मुख्य	हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिककाल	०७	०३	३०	७०	१००	२०२३	-	हिन्दी	-	-	०२	०७	-
३	अनुस्नातक	द्वितीय	मुख्य	हिन्दी भाषा (व्यावहारिक)	०८	०३	३०	७०	१००	२०२३	-	हिन्दी	-	-	०२	०८	-
४	अनुस्नातक	द्वितीय	मुख्य	हिन्दी का दलित साहित्य	०९	०३	३०	७०	१००	२०२३	-	हिन्दी	-	-	०२	०९	-
				वैकल्पिक													
५	अनुस्नातक	द्वितीय	मुख्य	तुलनात्मक साहित्य (सैद्धांतिक-२)	०९	०३	३०	७०	१००	२०२३	-	हिन्दी	-	-	०२	०९	-
६	अनुस्नातक	द्वितीय	मुख्य	हिन्दी उपन्यास – २	१०	०३	३०	७०	१००	२०२३	-	हिन्दी	-	-	०२	१०	-
				वैकल्पिक													
७	अनुस्नातक	द्वितीय	मुख्य	दृश्य – श्रव्य माध्यम लेखन – २	१०	०३	३०	७०	१००	२०२३	-	हिन्दी	-	-	०२	१०	-

भक्त कवि नरसिंह मेहता विश्व-विद्यालय, जूनागढ़
कला-संकाय – अनुस्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम – वर्ष २०२३

विषय	हिन्दी
सत्र	२
पाठ्यक्रम क्रमांक	०६
पाठ्यक्रम शीर्षक	मध्यकालीन हिन्दी काव्य
परीक्षा समयावधि	०२:३० घण्टे

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम	क्रेडिट मूल्य	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०२	मुख्य	०३	३०	७०	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य
- अध्येता कबीर, तुलसी का परिचय प्राप्त करेंगे।
- अध्येता वर्तमान जाति, धर्म, सम्प्रदाय की समस्याओं के बीच तुलसी, कबीर का महत्व प्रस्थापित करे।
- अध्येता कबीर, तुलसी की लौकिक-अलौकिक दार्शनिकता को विस्तार से जाने ।
- अध्येता मध्यकालीन भक्ति, समाज, संस्कृति एवं राजनीति का वर्तमान परिप्रेक्ष्य में मूल्यांकन करे।

पाठ्यक्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य विषय	अंक	क्रेडिट
अनुस्नातक	ईकाई-१	कबीर का जीवन-वृत	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। ०५ ✖ १४ = ७०	०२
		भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'कबीरवाणी' का मूल्यांकन		
		कबीर समाज-सुधारक के रूप में		
	ईकाई-२	'कबीरवाणी' की प्रमुख विशेषताएँ		
		कबीर-काव्य में व्यक्त दार्शनिकता		
		कबीर के मानवतावादी विचार		
	ईकाई-३	तुलसी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व		
		'रामचरितमानस' में 'अयोध्याकांड' प्रसंग का कथासार		
		'अयोध्याकांड': भावपक्ष – कलापक्ष		
	ईकाई-४	तुलसी लोकनायक के रूप में		
		'अयोध्याकांड' में व्यक्त राम का चरित्र		
		तुलसी की समन्वय-भावना		
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	०२

आंतरिक मूल्यांकन

पाठ्यक्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य विषय	अंक	क्रेडिट
अनुस्नातक	असाईन्मेंट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्तलिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस अंक निर्धारित है।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

क्रम	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
१	आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
२	संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी)		०२	०७	१४

नोट ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २:३० घण्टे का रहेगा। ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा।	पाठ्य पुस्तक : (१) 'कबीरवाणी' (२) 'रामचरितमानस' लेखक/संपादक : (१) डॉ. पारसनाथ तिवारी (२) तुलसी प्राप्ति स्थान : (१) राजकमल प्रकाशन, इलाहाबाद (२) नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।

संदर्भ ग्रंथ :

१. कबीर मीमांसा, रामनाथ तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
२. कबीर : व्यक्तित्व, कृतित्व और सिद्धांत, डॉ. सरनामसिन्ह शर्मा, हिन्दी प्रकाशन संस्था, वाराणसी।
३. कबीर, हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
४. एक कबीर और, डॉ. सुजाता वर्मा, विकास प्रकाशन, कानपुर।
५. कबीर विमर्श, डॉ, इशरत खान, विकास प्रकाशन, कानपुर।
६. गोस्वामी तुलसीदास : व्यक्तित्व, दर्शन-साहित्य, डॉ. रामदत्त भारद्वाज, हिन्दी प्राचारक संस्थान, वाराणसी।
७. तुलसी काव्य मीमांसा, डॉ. उदयभानु सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
८. तुलसी काव्य : नये-पुराने संदर्भ, रामबाबू शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
९. रामचरितमानस में चरित्र-सृष्टि, डॉ. योगेश दुबे, अभय प्रकाशन, कानपुर।
१०. रामचरितमानस : अयोध्याकाण्ड, डॉ. योगेंद्रप्रतापसिन्ह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

भक्त कवि नरसिंह मेहता विश्व-विद्यालय, जूनागढ़
कला-संकाय – अनुस्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम – वर्ष २०२३

विषय	हिन्दी
सत्र	२
पाठ्यक्रम क्रमांक	०७
पाठ्यक्रम शीर्षक	हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिककाल
परीक्षा समयावधि	०२:३० घण्टे

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम	क्रेडिट मूल्य	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०२	मुख्य	०३	३०	७०	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य

- अध्येता आधुनिककालीन पुनर्जागरण, नवजागरण, पुनरुत्थान की चेतना से अवगत होंगे।
- अध्येता हिन्दी साहित्य के इतिहास के अध्ययन से देशप्रेम की भावना से परिचित होंगे।
- अध्येता हिन्दी साहित्य के नये साहित्यिक स्वरुपों से परिचित होंगे।
- अध्येता हिन्दी साहित्य के इतिहास के अध्ययन से गद्य साहित्य के विविध रुपों का उद्भव-विकास समझे।

पाठ्यक्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य विषय	अंक	क्रेडिट
अनुस्नातक	ईकाई-१	आधुनिककाल : नामकरण	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। ०५ ✖ १४ = ७०	०२
		आधुनिककाल की परिस्थितियाँ		
		आधुनिककाल की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ		
	ईकाई-२	आधुनिककाल 'गद्यकाल' के रूप में		
		भारतेंदुयुगीन प्रमुख काव्य-प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि		
		द्विवेदीयुगीन प्रमुख काव्य-प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि		
	ईकाई-३	छायावाद की प्रमुख काव्य-प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि		
		हालावादी प्रमुख काव्य-प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि		
		प्रगतिवादी प्रमुख काव्य-प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि		
	ईकाई-४	प्रयोगवादी प्रमुख काव्य-प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि		
		नई कविता की प्रमुख काव्य-प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि		
		हिन्दी गद्य की विविध विधाओं का उद्भव-विकास		
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	०२

आंतरिक मूल्यांकन

पाठ्यक्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य विषय	अंक	क्रेडिट
अनुस्नातक	असाईन्मेंट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्तलिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस अंक निर्धारित है।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

क्रम	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
१	आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
२	संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी)		०२	०७	१४

नोट ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २:३० घण्टे का रहेगा। ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा।	पाठ्य पुस्तक : हिन्दी साहित्य का इतिहास लेखक : डॉ. नगेन्द्र प्राप्ति स्थान : मयूर पैपर बक्स, नई दिल्ली।

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी साहित्य का प्रवृतिपरक इतिहास : डॉ. सभापति मिश्र – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
२. हिन्दी साहित्य की प्रमुख कृति और कृतिकार : डॉ. नरेन्द्र भानवत – अनुपम प्रकाशन, जयपुर
३. हिन्दी साहित्य का सर्वेक्षण (गद्य-खण्ड) : विश्वम्भर 'मानव' – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
४. हिन्दी का गद्य पर्व : नामवरसिंह – राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
५. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल – नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
६. लंबी कविताओं का रचना विधान : सं. नरेन्द्रमोहन – दि. मैकमिलकन कंपनी ऑफ इन्डिया लिमिटेड, दिल्ली
७. हिन्दी के निर्माण : कुमुद शर्मा – भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली
८. कविता की जमीन और जमीन की कविता : डॉ. नामवरसिंह – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
९. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल अब तक : डॉ. स्मिता सी. पटेल – शान्ति प्रकाशन
१०. हिन्दी भाषा का इतिहास : प्रो. ओमप्रकाश तरूण : रीगल बुक डिपो, दिल्ली
११. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. ईश्वरदत्त शील : डॉ. आभारानी – चन्द्रलोक प्रकाशन, कानपुर

भक्त कवि नरसिंह मेहता विश्व-विद्यालय, जूनागढ़
कला-संकाय – अनुस्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम – वर्ष २०२३

विषय	हिन्दी
सत्र	२
पाठ्यक्रम क्रमांक	०८
पाठ्यक्रम शीर्षक	हिन्दी भाषा (व्यावहारिक)
परीक्षा समयावधि	०२:३० घण्टे

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम	क्रेडिट मूल्य	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०२	मुख्य	०३	३०	७०	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य

- अध्येता प्राचीन, मध्यकालीन और आधुनिक आर्यभाषाओं का परिचय प्राप्त करे।
- अध्येता हिन्दी भाषा के विकास क्रम को जाने।
- अध्येता हिन्दी भाषा और उसकी बोलियों के बारे में विस्तार से समझे।
- अध्येता देवनागरी लिपि का इतिहास जाने।

पाठ्यक्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य विषय	अंक	क्रेडिट
अनुस्नातक	ईकाई-१	प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएँ : वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएँ	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। ०५ * १४ = ७०	०२
		मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ : पाली, प्राकृत, अपभ्रंश		
		आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएँ और उनका वर्गीकरण		
	ईकाई-२	भाषा-बोली का अंतर और अंत:सम्बंध		
		हिन्दी और उसकी उपभाषाएँ		
		हिन्दी और उसकी बोलियाँ		
	ईकाई-३	हिन्दी के विविध रूप (राष्ट्रभाषा, राजभाषा, सम्पर्क भाषा, माध्यम भाषा, संचार भाषा)		
		हिन्दी शब्द रचना : उपसर्ग, प्रत्यय, समास		
		हिन्दी रूप रचना : लिंग, वचन		
	ईकाई-४	हिन्दी कारक व्यवस्था : संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया विशेषण		
		देवनागरी लिपि का उद्भव-विकास		
		देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता		
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	०२

आंतरिक मूल्यांकन

पाठ्यक्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य विषय	अंक	क्रेडिट
अनुस्नातक	असाईन्मेंट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्तलिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस अंक निर्धारित है।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

क्रम	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
१	आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
२	संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी)		०२	०७	१४

नोट ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २:३० घण्टे का रहेगा। ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा।	पाठ्य पुस्तक : भाषाविज्ञान लेखक : भोलानाथ तिवारी प्राप्ति स्थान : किताब महल, इलाहाबाद।

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी भाषाविज्ञान, डो. डी. डी. शर्मा, पल्लव प्रकाशन, दिल्ली।
२. भाषाविज्ञान सैद्धांतिक चिंतन, डॉ. श्रीवास्तव
३. भाषाविज्ञान की भूमिका, डॉ. देवेंद्रनाथ शर्मा
४. आधुनिक भाषाविज्ञान, डॉ. राजमणी शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
५. भाषाविज्ञान और हिन्दी, डॉ. के. डी. रुवाली, तक्षशीला प्रकाशन, दिल्ली।
६. अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान : सिद्धांत और प्रयोग, डॉ. रवींद्रनाथ श्रीवास्तव।
७. भाषाविज्ञान एवं भाषा विचार, डॉ. पोतहार, डो. खराटे, विद्या प्रकाशन, कानपुर।
८. हिन्दी भाषाविज्ञान परिचय, डॉ. ज्ञानराज गायकवाड, विद्या प्रकाशन, कानपुर।
९. रूप विज्ञान, लक्ष्मणप्रसाद सिन्हा, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
१०. हिन्दी भाषा और उसके विविध रूप, डॉ. हीरालाल शर्मा, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

भक्त कवि नरसिंह मेहता विश्व-विद्यालय, जूनागढ़
कला-संकाय – अनुस्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम – वर्ष २०२३

विषय	हिन्दी
सत्र	२
पाठ्यक्रम क्रमांक	०९
पाठ्यक्रम शीर्षक	हिन्दी का दलित साहित्य
परीक्षा समयावधि	०२:३० घण्टे

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम	क्रेडिट मूल्य	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०२	मुख्य	०३	३०	७०	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य

- अध्येता हिन्दी दलित लेखन के उद्भव-विकास से परिचित होंगे।
- अध्येता दलित चेतना का अर्थ, परिभाषा जाने।
- अध्येता समाज जीवन में वर्ग-संघर्ष को जाने।
- अध्येता राष्ट्रीय अस्मिता के विकास में हर जातियों के योगदान को समझे।

पाठ्यक्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य विषय	अंक	क्रेडिट
अनुस्नातक	ईकाई-१	हिन्दी दलित साहित्य : उद्भव-विकास	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। ०५ ✖ १४ = ७०	०२
		जयप्रकाश कर्दम : व्यक्तित्व और कृतित्व		
		'छप्पर' उपन्यास : कथावस्तु		
	ईकाई-२	'छप्पर' उपन्यास : तात्विक विवेचन		
		'छप्पर' उपन्यास : पात्र योजना		
		'छप्पर' उपन्यास : दलित चेतना		
	ईकाई-३	दलित चेतना : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप		
		रूपनारायण सोनकर : व्यक्तित्व और कृतित्व		
		'सूअरदान' उपन्यास : कथावस्तु		
	ईकाई-४	'सूअरदान' उपन्यास : तात्विक विवेचन		
		'सूअरदान' उपन्यास : पात्र योजना		
		'सूअरदान' उपन्यास : विविध समस्याएँ		
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	०२

आंतरिक मूल्यांकन

पाठ्यक्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य विषय	अंक	क्रेडिट
अनुस्नातक	असाईन्मेंट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्तलिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस अंक निर्धारित है।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

क्रम	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
१	आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
२	संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी)		०२	०७	१४

नोट ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २:३० घण्टे का रहेगा। ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा।	पाठ्य पुस्तक : (१) 'छप्पर' (२) 'सूअरदान' लेखक : (१) जयप्रकाश कर्दम (२) रूपनारायण सोनकर प्राप्ति स्थान : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

संदर्भ ग्रंथ :

१. दलित चेतना साहित्यिक एवं सामाजिक सरोकार, रमणिका गुप्ता, समीक्षा प्रकाशन, दिल्ली।
२. दलित साहित्य का मूल्यांकन, प्रो. चमनलाल, राजपाल प्रकाशन, दिल्ली।
३. भारतीय दलित साहित्य : परिप्रेक्ष्य, पुन्नीसिन्ह-कमलाप्रसाद-राजेंद्र शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
४. दलित साहित्य-2006, डॉ. जयप्रकाश कर्दम, दिल्ली।
५. अपने-अपने पिंजरे : समीक्षात्मक अध्ययन, मोहनदास नैमिशराय, श्री नटराज प्रकाशन, नई दिल्ली।
६. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र, ओमप्रकाश वाल्मीकि, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
७. इक्कीसवीं सदी में दलित आंदोलन, जयप्रकाश कर्दम, पंकज बुक्स मंदिर, दिल्ले।
८. दलित क्रांति का साहित्य, श्यौराज सिन्ह बैचेन, संगीता प्रकाशन, दिल्ली।
९. आज का दलित साहित्य, डॉ. तेज सिन्ह, मनभावन प्रकाशन, दिल्ली।
१०. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र, शरणकुमार लिम्बाले, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

भक्त कवि नरसिंह मेहता विश्व-विद्यालय, जूनागढ़
कला-संकाय – अनुस्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम – वर्ष २०२३

विषय	हिन्दी
सत्र	२
पाठ्यक्रम क्रमांक	०९ (विकल्प)
पाठ्यक्रम शीर्षक	तुलनात्मक साहित्य (सैद्धांतिक – २)
परीक्षा समयावधि	०२:३० घण्टे

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम	क्रेडिट मूल्य	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०२	मुख्य	०३	३०	७०	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य
- अध्येता अनुवाद के अर्थ और स्वरूप से परिचित हो।
- अध्येता अनुवाद की प्रविधि से परिचित हो।
- अध्येता अनुवाद की समस्याओं से परिचित हो।
- अध्येता अनुवाद का भविष्य और सीमाओं को जाने।

पाठ्यक्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य विषय	अंक	क्रेडिट
अनुस्नातक	ईकाई-१	अनुवाद : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। ०५ ✖ १४ = ७०	०२
		अनुवाद के प्रकार		
		अनुवादक के गुण		
	ईकाई-२	अनुवाद : ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य		
		अनुवाद की उपयोगिता		
		अनुवाद प्रक्रिया में भाषाशास्त्र का महत्व		
	ईकाई-३	सर्जनात्मक कृतियों के अनुवाद की समस्याएँ		
		पद्यकाव्य कृतियों के अनुवाद की समस्याएँ		
		मुहावरे और लोकोक्तियों के अनुवाद की समस्याएँ		
	ईकाई-४	अनुवाद की शैलियाँ		
		अनुवाद : कला या विज्ञान ?		
		अनुवाद का भविष्य		
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	०२

आंतरिक मूल्यांकन

पाठ्यक्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य विषय	अंक	क्रेडिट
अनुस्नातक	असाईन्मेंट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्तलिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस अंक निर्धारित है।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

क्रम	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
१	आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
२	संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी)		०२	०७	१४

नोट ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २:३० घण्टे का रहेगा। ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा।	पाठ्य पुस्तक : अनुवाद प्रशिक्षण लेखक : – प्राप्ति स्थान : केंद्रिय अनुवाद ब्युरो, राजभाषा विभाग, गृह मन्त्रालय, दिल्ली

संदर्भ ग्रंथ :

१. अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग, कैलाशचंद्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।
२. अनुवाद विज्ञान, डॉ. भोलानाथ तिवारी, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली।
३. हिन्दी अनुवाद : सिद्धांत और समस्याएँ, रवींद्रनाथ श्रीवास्तव, आलेख प्रकाशन, दिल्ली।
४. हिन्दी अनुवाद : सिद्धांत और प्रयोग, वासुदेवनंदन प्रसाद, भारती भवन प्रकाशन, पटना।
५. विदेशी भाषाओं में अनुवाद की समस्या, डॉ. भोलानाथ तिवारी, नरेशकुमार, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।

भक्त कवि नरसिंह मेहता विश्व-विद्यालय, जूनागढ़
कला-संकाय – अनुस्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम – वर्ष २०२३

विषय	हिन्दी
सत्र	२
पाठ्यक्रम क्रमांक	१०
पाठ्यक्रम शीर्षक	हिन्दी उपन्यास – २
परीक्षा समयावधि	०२:३० घण्टे

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम	क्रेडिट मूल्य	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०२	मुख्य	०३	३०	७०	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य
- अध्येता श्रीलाल शुक्ल के व्यक्तित्व और कृतित्व को समझे।
- अध्येता यशपाल के व्यक्तित्व और कृतित्व को समझे।
- अध्येता भारतीय ग्रामीण जीवन की समस्याओं से परिचित होकर आदर्शवाद और यथार्थवाद की संकल्पना को समझे।
- अध्येता भारतीय सांस्कृतिकता, ऐतिहासिकता और नारी चेतना से परिचित हो।

पाठ्यक्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य विषय	अंक	क्रेडिट
अनुस्नातक	ईकाई-१	श्रीलाल शुक्ल : व्यक्तित्व और कृतित्व	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। ०५ ✖ १४ = ७०	०२
		'रागदरबारी' उपन्यास : कथानक		
		'रागदरबारी' उपन्यास : तात्विक विवेचन		
	ईकाई-२	'रागदरबारी' उपन्यास : पात्र योजना		
		'रागदरबारी' उपन्यास : ग्रामीण जीवन		
		'रागदरबारी' उपन्यास : शीर्षक, उद्देश्य, भाषा-शैली, परिवेश		
	ईकाई-३	यशपाल : व्यक्तित्व और कृतित्व		
		'दिव्या' उपन्यास : कथानक		
		'दिव्या' उपन्यास : तात्विक विवेचन		
	ईकाई-४	'दिव्या' उपन्यास : पात्र योजना		
		'दिव्या' उपन्यास : सांस्कृतिकता, ऐतिहासिकता और नारी चेतना		
		'दिव्या' उपन्यास : शीर्षक, उद्देश्य, भाषा-शैली, परिवेश		
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	०२

आंतरिक मूल्यांकन

पाठ्यक्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य विषय	अंक	क्रेडिट
अनुस्नातक	असाईन्मेंट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्तलिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस अंक निर्धारित है।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

क्रम	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
१	आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
२	संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी)		०२	०७	१४

नोट ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २:३० घण्टे का रहेगा। ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा।	पाठ्य पुस्तक : (१) 'रागदरबारी' (२) 'दिव्या' लेखक : (१) श्रीलाल शुक्ल (२) यशपाल प्राप्ति स्थान : वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी उपन्यास : पहचान और परख, इंद्रदान मदान।
२. हिन्दी उपन्यास विवेचन, डॉ. सत्येंद्र, भारतीय ग्रंथ निकेतन, दिल्ली।
३. हिन्दी उपन्यास के सौ वर्ष, डॉ. रामदरश मिश्र, गिरनार प्रकाशन, महेसाणा।
४. प्रतिनिधि हिन्दी उपन्यास भाग-१, २, डॉ. चमनलाल, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंदीगढ।
५. हिन्दी उपन्यास, डॉ. सुष्मा धवन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
६. समकालीन हिन्दी उपन्यास, विवेकी राय, राजीव प्रकाशन, इलाहाबाद।
७. यशपाल के उपन्यासों की सामाजिक चेतना, डॉ. भगवान पाठक, विद्या प्रकाशन, कानपुर।
८. यशपाल के उपन्यासों का अनुशीलन, डॉ. शकुंतला वाघ, अमन प्रकाशन, कानपुर।
९. साहित्य के सामाजिक भूमिका, डॉ. देवेश ठाकुर, अरविंद प्रकाशन, मुम्बई।
१०. हिन्दी उपन्यासों में चेतना प्रवाह पद्धत्ति, डॉ. मोहनलाल कपुर, साकेत समीर प्रकाशन, दिल्ली।
११. हिन्दी उपन्यासों में नारी, डॉ. उषा सपकाले, अमन प्रकाशन, कानपुर।

भक्त कवि नरसिंह मेहता विश्व-विद्यालय, जूनागढ़
कला-संकाय – अनुस्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम – वर्ष २०२३

विषय	हिन्दी
सत्र	२
पाठ्यक्रम क्रमांक	१० (विकल्प)
पाठ्यक्रम शीर्षक	दृश्य – श्रव्य माध्यम लेखन – २
परीक्षा समयावधि	०२:३० घण्टे

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम	क्रेडिट मूल्य	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०२	मुख्य	०३	३०	७०	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य

- अध्येता टेलिविझन के उद्भव-विकास को जाने।
- अध्येता हिन्दी फिल्मों में प्रयुक्त भाषा अभिव्यक्ति का प्रशिक्षण प्राप्त करे।
- अध्येता साहित्य कृतियों के फिल्मांकन के बारे में जाने।
- अध्येता इंटरनेट के प्रयोग जाने।

पाठ्यक्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य विषय	अंक	क्रेडिट
अनुस्नातक	ईकाई-१	टेलिविझन : भारत में उद्भव-विकास	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। ०५ ✖ १४ = ७०	०२
		फिल्म : भारत में उद्भव-विकास		
		साहित्य और सिनेमा		
	ईकाई-२	हिन्दी फिल्मों में प्रयुक्त हिन्दी		
		हिन्दी धारावाहिकों में प्रयुक्त हिन्दी		
		हिन्दी विज्ञापनों में प्रयुक्त हिन्दी		
	ईकाई-३	विज्ञापन फिल्मों की प्रविधि		
		इंटरनेट : भारत में उद्भव-विकास		
		इंटरनेट : विविध रूप		
	ईकाई-४	कम्प्यूटर : भारत में उद्भव-विकास		
		कम्प्यूटर में प्रयुक्त हिन्दी		
		हिन्दी वेबसाईट्स परिचय		
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	०२

आंतरिक मूल्यांकन

पाठ्यक्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य विषय	अंक	क्रेडिट
अनुस्नातक	असाईन्मेंट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्तलिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस अंक निर्धारित है।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

क्रम	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
१	आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
२	संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी)		०२	०७	१४

नोट ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २:३० घण्टे का रहेगा। ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा।	

संदर्भ ग्रंथ :

१. दूरदर्शन : हिन्दी के प्रयोजनमूलक विविध प्रयोग, कृष्णकुमार रत्तू, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली।
२. दृश्य-अदृश्य, नैमिचंद्र जैन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
३. संगकर्म और मीडिया, डॉ. जयदेव तनेजा, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।
४. पटकथा लेखन : फिचर फिल्म, उमेश राठौर, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।
५. जन संचार माध्यम : चुनौतियाँ और दायित्व, सं. त्रिभुवन राय, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली।
६. रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता, डॉ. हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।
७. रेडियो नाटक की कला, डॉ. सिद्धनाथ कुमार, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।
८. टेलिविजन लेखन, असगर वजाहत, प्रभात रंजन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।
९. आधुनिक जनसंचार और हिन्दी, डॉ. हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।
१०. जनसंचार : विविध आयाम, व्रजमोहन गुप्त, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।